राज्य मानचित्र

ओड़िशा ODISHA

पैमाना 1:1,000,000

भारतीय सर्वेक्षण विभाग | SURVEY OF INDIA

द्वितीय संस्करण 2025 मूल्य : ₹ 135/–

ओड़िशा : एक सिंहावलोकन

ओड़िशा, भारत के पूर्वी भाग में स्थित एक राज्य है , जिसका क्षेत्रफल 60,162 वर्ग मील (155,820 वर्ग कि.मी.) है और इसकी आबादी लगभग 4 करोड़ है। इसकी राजधानी भुबनेश्वर है और राज्य के अन्य प्रमुख शहर कटक, संबलपुर और राउरकेला हैं। ओड़िशा भारत का 8वां सबसे बड़ा राज्य और 11वां सबसे अधिक आबादी वाला राज्य है।

ओड़िशा, उत्तर पूर्व में पश्चिमी बंगाल, उत्तर पश्चिम में झारखंड, पश्चिम में छत्तीसगढ़, दक्षिण में आंध्र प्रदेश के राज्यों द्वारा सीमाबद्ध है तथा बंगाल की खाड़ी के किनारे इसकी लगभग 482 किलोमीटर लंबी तटरेखा है।

राज्य में सबसे अधिक बोली जाने वाली भाषा ओड़िया है और इसका प्रयोग अंग्रेजी के साथ–साथ आधिकारिक आधार पर किया जाता है।

ओड़िशा तीसरी शताब्दी ईसा पूर्व के प्राचीन कलिंग साम्राज्य की सीमाओं के अंतर्गत आता है और राज्य को अब भी कलिंग के नाम से ही संदर्भित किया जाता है।

ओड़िशा को उत्कल के नाम से भी जाना जाता है और भारतीय राष्ट्रगान, जन गण मन, में इसका उल्लेख इसी नाम से किया गया है। उड़ीसा प्रांत की स्थापना 1 अप्रैल 1936 को हुई थी और इसकी वर्षगांठ को पूरे राज्य में उत्कल दिवस के रूप में मनाया जाता है।

ओड़िशा की संस्कृति बहुत समृद्ध है, ओडिसी शास्त्रीय नृत्य शैली इसी राज्य से उत्पन्न हुई है तथा ओड़िया व्यंजन अपने समुद्री भोजन और मिठाइयों के लिए प्रसिद्ध है।

ओड़िशा के लोकप्रिय पर्यटन स्थलों में, कोणार्क सूर्य मंदिर जो भारत की विश्व धरोहर स्थलों में से एक है, उदयगिरि और खंडगिरि गुफाएँ, पुरी जगन्नाथ मंदिर, चिलिका झील, सिमलीपाल, दारिंगबाडी शामिल हैं। चिलिका झील एक खारे पानी की झील और एक उथला लैगून है जो पूर्वी भारत के ओड़िशा राज्य के पुरी, खुर्दा और गंजाम जिलों में फैली हुई है।

ओड़िशा ने एशियाई जूनियर महिला रग्बी टूर्नामेंट, 22वीं एशियाई एथलेटिक्स चैंपियनशिप और 2018 एवं 2023 में पुरुष हॉकी विश्वकप जैसे कई खेल आयोजनों की सफलतापूर्वक मेजबानी की है।

ओड़िशा राज्य देश में एक महत्वपूर्ण स्थान रखता है, जहाँ अनुसूचित जनजाति और अनुसूचित जाति की आबादी अधिक है। नवीनतम 2011 की जनगणना के अनुसार, यह देश में अनुसूचित जनजाति की आबादी के मामले में तीसरे (संख्यात्मक रूप से) स्थान पर है, जबकि अनुसूचित जाति की आबादी के मामले में इसका स्थान ग्यारहवाँ (संख्यात्मक रूप से) है। अनुसूचित जनजाति और अनुसूचित जातियाँ मिलकर राज्य की कुल आबादी का लगभग 40 प्रतिशत हिस्सा बनाती है (एस.टी. – 22.85 प्रतिशत और एस.सी. – 17.13 प्रतिशत)।

पैमाना 1:1,000,000

1 सेंटीमीटर = 10 किलोमीटर

किलोमीटर 10 5 0 10 20 30 40 50 60 70 80 किलोमीटर

निर्देश

जिला का नाम	पु री
सबडिविजन का नाम	अ नु गू ल
आंचलिक नाम	ब स्त र
पर्वत अथवा पहाड़ी श्रेणियां, महत्वपूर्ण चोटियों के नाम	पूर्वी पर्वत माला, मलयगिरी
राज्य मुख्यालय	भुबनेश्वर
जिला मुख्यालय	भवानीपटना
तहसील / सबडिविजन मुख्यालय , अन्य नगर	बारिपदा टीक्रापढ़ा
ऐतिहासिक स्थल	सूर्य मन्दिर
पर्यटक स्थल	जगन्नाथ मन्दिर
मुख्यालयः राज्य; जिला; तहसील। अन्य शहर	
ऊंचाई : त्रिकोणमितीय चांदा ऊंचाई के साथ	·36 △55
रेलवे : बड़ी लाईन, दोहरी लाईन	
रेलवे : बड़ी लाईन, इकहरी लाईन	
रेलवे : छोटी लाईन, पुल व स्टेशन के साथ	
रेलवे : संकीर्ण लाईन, सुरंग के साथ	0.76 मी. गेज
किला, खण्डहर, विश्राम–गृह इत्यादि	
मन्दिर, बौद्ध मन्दिर, गिरिजाघर मस्जिद अथवा मिनार	
खान, तेल कूप	कोयला तेल
बालू : समुद्री जलमग्न बालू	
झील, स्वच्छ जल : स्पष्ट सीमायुक्त, पंक	
स्वर्णिम चतुर्भुज सड़क न.	16 GQ
सड़क, प्रथम श्रेणी (पक्की या चौरस)	49
सड़क, द्वितीय श्रेणी (पक्की), पुल सहित	
सड़क, तृतीय श्रेणी (कच्ची / मार्ग), दर्रा सहित	
नदी : बारहमासी, सूखी	
नहर, नौनाव्य	
नहर, नौ–परिवहन योग्य नहीं, गहराई	40
दलदल : स्वच्छ जल. सम्मोच्च रेखा : अनुगंभीर	150
हवाई अड्डा :अन्तर्राष्ट्रीय : अन्य	
सीमा : राज्य, सीमांकित	
सीमा : राज्य, विवादित	
सीमा : जिला	
सीमा : सबडिविजन	

इस मानचित्र के बारे में अधिक जानकारी के लिए कृपया संपर्क करें

निदेशक

ओड़िशा एवं छत्तीसगढ़ भू– स्थानिक निदेशालय

भारतीय सर्वेक्षण विभाग, भुबनेश्वर, ओड़िशा–751013

फैक्स–0674–2301418; दूरभाष –0674–23011754 / 2300355

ई–मेल : e–mail:ors.gdc.soi gov.in

वेबसाइट : *WEBSITE – www.surveyofindia.gov.in*

रजि. सं. 281 भा. स. वि. मु. डी' 25 (ओ. एवं छ. भू. स्था. निदेशालय -1:1,000,000) - 108.

प्रथम संस्करण 2012; द्वितीय संस्करण 2025.

(पूर्व संस्करण ओड़िशा का मानचित्र प्रथम संस्करण 1979; द्वितीय संस्करण 1995)

भारत के महासर्वेक्षक हितेश कुमार एस. मकवाणा, भा.प्र.से., *के निदेशन में प्रकाशित,*
भारतीय सर्वेक्षण विभाग, हाथीबड़कला एस्टेट, पोस्ट बॉक्स सं0 37, देहरादून – 248001 (उत्तराखण्ड),
विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग, भारत सरकार.

2025.

प्रक्षेपण : लैम्बर्ट अनुरुपी शांकव
आधार : डब्लू जी एस 84

भारतीय सर्वेक्षण विभाग के मुद्रणालय में मुद्रित.

© भारत सरकार प्रतिलिप्यधिकार, 2025.

भारतीय सर्वेक्षण विभाग, राष्ट्रीय मानचित्रण संस्थान की लिखित अनुमति के बिना किसी भी माध्यम से पूरे मानचित्र या किसी भाग का पुनरुत्पादन वर्जित है ।